

## राम वन गमन पर्यटन परपिथ का मुख्यमंत्री ने कथिा शुभारंभ

### चर्चा में क्यों?

7 अक्टूबर, 2021 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम के वनवास काल से जुड़े स्थलों को वशिवस्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में वकिसति करने के लयि प्रारंभ की गई राम वन गमन पर्यटन परपिथ परयोजना के प्रथम चरण का माता कौशलया की नगरी चंदखुरी में आधिकारिक तौर पर शुभारंभ कथिा ।

### प्रमुख बडिु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने चंदखुरी में माता कौशलया मंदिर परसिर के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण कार्य का भी लोकार्पण तथा भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊँची प्रतिमा का लाईट के माध्यम से अनावरण कथिा ।
- गौरतलब है कि कौशलया माता मंदिर का जीर्णोद्धार एवं परसिर के सौंदर्यीकरण का कार्य 15 करोड़ 45 लाख रुपए की लागत से कथिा जा रहा है ।
- मुख्यमंत्री ने राम वन गमन पर्यटन परपिथ के बारे में कहा कि कोरथिा ज़िले के सीतामढी में हरचौका से लेकर सुकमा के रामाराम तक लगभग 2260 किलोमीटर का राम वन गमन पर्यटन परपिथ वकिसति कथिा जा रहा है ।
- उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ भगवान श्रीराम के ननहिल के रूप में संपूरण वशिव में अपनी अलग पहचान रखता है । इस पर्यटन परपिथ में कोरथिा ज़िले से सुकमा तक कदम-कदम पर भगवान श्रीराम के दर्शन होंगे और उनसे जुड़ी महत्त्व की कथाएँ देखने और सुनने को मल्लिगी ।
- राम वन गमन पर्यटन परपिथ परयोजना में सीतामढी हरचौका (कोरथिा), रामगढ़ (सरगुजा), शविरिनारायण (जांजगीर-चांपा), तुरतुरथिा (बलौदाबाज़ार), चंदखुरी (रायपुर), राजमि (गरथिाबंद), सहिावा सप्तऋषि आश्रम (धमतरी), जगदलपुर (बस्तर) और रामाराम (सुकमा) का 133 करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से पर्यटन की दृष्टि से वकिसा का कार्य कथिा जा रहा है ।
- इस पर्यटन परपिथ के माध्यम से राज्य में न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढावा मल्लिगा, बलकि पर्यटन के नए वैश्विक अवसर बढेंगे ।
- माता कौशलया मंदिर परसिर में भव्य गेट, मंदिर के चारों ओर तालाब का सौंदर्यीकरण, आकर्षक पथ नरिमाण, वृक्षारोपण कथिा गया है । मंदिर चारों ओर से मनमोहक उद्यानों से घरिा है, तालाब के मध्य में शेषनाग शैबया पर शयन मुद्रा में भगवान वशिष्णु के चरण दबाती माँ लक्ष्मी की आकर्षक प्रतिमा है, दूसरी ओर समुद्र मंथन के दृश्य को प्रतिबिंबित करती हुई देव-दानवों की मूर्तथिाँ श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है ।